

12/7/21

कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन होने एवं मा. राजस्व मण्डल अजमेर से प्राप्त निर्देशानुसार लॉकडाउन अवधि में न्यायिक कार्य स्थगित रखे जाने के कारण पत्रावली दिनांक 20/7/21 को पेश हो।

P

20/7/21

पत्रावली पेश हुई | वकील प्राची उपस्थित। पत्रावली वास्ते बहस प्रा.प. दिनांक 7/9/21 को पेश हो।

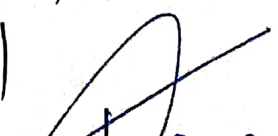
Q

7/9/21

पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता प्राची उपस्थित। जिन्होंने प्राची पर आपत्तिका निषेध 9/10/20 को एक पक्षीय बहस करते हुए निवेदन किया कि 9/10/20 11/11/2016 अनवगत भंडारी बनाम दिल्ली में दिनांक 7/11/2016 को वादिया भंडारी देवी को वाद अदम पेंसिवे अदम हाजिरी में न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया, क्योंकि वादिया के अधिवक्ता केने एवं वे वादिया दोनों ही उस दिन उपस्थित नहीं थे। जिसका कारण यह रहा कि वादिया के अधिवक्ता श्री दिलीप टैकर का चयन राजकीय शारीरिक शिक्षक के (पी.टी.ओ.) के रूप में होने से उन्होने कालांतर का व्यवसाय छोड़ दिया तथा न्यायालय में आता बन्द कर दिया तथा उन्होने अपील कर वादिया भंडारी देवी को इस बात से अनवगत नहीं कराया तथा नही उहे दूसरा अधिवक्ता नियुक्त करने हेतु या स्वयं

लेख
इस
तारीख

उपाधित रहने हेतु हिदायत की इस कारण वादिया
 भी तारीख पोशियो पर हाजिर अदालत नहीं रही और
 न्यायालय श्रीमान द्वारा एक (०) अदम पेशवा, अदम
 हाजिरी में रवाजिन का किया गया। विवादित जायादार
 वादिया की संयुक्त खातेदारी की भूमि है। जिसको
 उन्नत व आबाद करने के लिए वह विभाजन करना
 चाहती है। इस कारण एक (०) को पुनः नम्बर पर
 लिया जाना आवश्यक एवं न्याय संगत है। आविष्कार
 पार्थी की एक पक्षीय बहाना पर मनन किया गया,
 विपक्षीयता वाउजूद तामिल के अनुपाधित रहने के कारण
 उनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्रवाई हो चुकी है। पार्थी आविष्कार
 द्वारा पार्थीय के न्यायालय में अनुपाधित रहने का जो
 कारण बताया गया है वह अचित एवं न्याय संगत होता है।
 पार्थीय द्वारा प्रस्तुत पार्थीय पत्र
 आदेश ७ नियम ७ स्वीकार किया जाकर एक (०) से (०) पर
 २११५ अनवान भंवरी बनाम तिलना वगैरह को पुनः
 नम्बर पर लिया जाने के आदेश प्रदान किये जाते हैं।
 पार्थीय पत्र फौसल शुभा लोका नम्बर से कम हो तथा
 मूल एक (०) से (०) २११५ अनवान भंवरी बनाम तिलना
 के साथ संलग्न रहे।


 उपखण्ड अधिकारी
 माण्डलगढ़